छत्तीसगढ़ समाचार.....

रायपुर : उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस



रायपुर (आ.स.से.) । भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आज जिला मुख्यालय कांकेर में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में इसमें शामिल हुए। सांसद श्री भोजराज नाग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विधायक श्री आशाराम नेताम और श्री विक्रम देव उसेंडी तथा बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष श्री सुमेर सिंह नाग सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग भी कार्यक्रम में मौजूद थे। जनजातीय गौरव दिवस में शामिल होने कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आदिवासी समाज के आंगादेव का परंपरानुसार पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग, तपस्या और संघर्ष का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के एक गरीब परिवार में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करते हुए जनजातीय समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों तथा आदिवासी समाज के हितों के लिए संघर्ष किया। उनके योगदान और बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के वीर शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर एवं शहीद गैंदसिंह के योगदान का भी उल्लेख किया। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की, ताकि देश के जनजातीय नायकों के योगदान, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को राष्ट्रीय पहचान मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के उत्थान और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन योजना, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से जनजातीय समुदायों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से जनजातीय कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में उदय नगर के बिरसा मुंडा चौक में भगवान बिरसा मुण्डा की आदमकद प्रतिमा के लिए 10 लाख रुपए तथा सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की घोषणा की। उन्होंने जिले की प्रमुख विभूतियों एवं प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित भी किया। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से शिक्षा, जागरूकता और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष श्री सुमेर सिंह नाग एवं श्री महेश जैन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और जनजातीय समाज के लिए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं के संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया।

रायपुर : छत्तीसगढ़ चार आईएएस अधिकारियों का प्रमोशन : सुबोध सिंह और निहारिका बारिक बने ACS, रोहित यादव-कमलप्रीत सिंह को प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी



रायपुर (आ.स.से.) । छत्तीसगढ़ सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (पै) के चार अधिकारियों को पदोन्नति दी है। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह और गृह विभाग की प्रमुख सचिव निहा. रिका बारिक को अपर मुख्य सचिव (ढै) के पद पर प्रमोट किया गया है। वहीं, 2002 बैच के पै अधिकारी डॉ. रोहित यादव और डॉ. कमलप्रीत सिंह को सचिव से प्रमुख सचिव बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक, चारों अधिकारियों की पदोन्नति जनवरी 2027 में प्रस्तावित थी, लेकिन सरकार ने निर्धारित समय से करीब डेढ़ महीने पहले ही उन्हें प्रमा. शन दे दिया। इसे अधिकारियों के प्रशासनिक अनुभव और कार्यों के प्रति सरकार के भरोसे के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, समय से पहले पदोन्नति का यह पहला मामला नहीं है। पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में भी कुछ अधिकारियों को निर्धारित समय से पहले उच्च पदों पर पदोन्नति दी जा चुकी है। योजनाएं खोजें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुबोध कुमार सिंह को दिल्ली से वापस बुलाकर अपना प्रमुख सचिव नियुक्त किया था। प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और सरकारी कामकाज में सुधार की दिशा में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। वे मेहनती और परिणाम आधारित कार्यशैली वाले अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं।

१७ लाख युवाओं को बनाया हुनरमंद, सात लाख को मिली नौकरी-योगी

स्किल मैन पावर ही विकसित भारतकी आधारशिला

लखनऊ (आससे)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में प्रशिक्षण केंद्रों के टॉपर्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी समेत सभी अतिथियों व युवाओं का अभिनंदन किया। उन्होंने राजधानी लखनऊ में इस आयोजन के लिए प्रधानमंत्री का विशेष आभार भी जताया। सीएम ने कहा कि स्किल्ड मैनपावर ही विकसित भारत की आधारशिला है। स्किल इंडिया से प्रशिक्षित युवा ही 2047 के विकसित व आत्मनिर्भर भारत की बैकबोन बनने जा रहे हैं। देश जब आजादी का शताब्दी महोत्सव (2047) मना रहा होगा, तब हर चेहरे पर खुशहाली होगी। हर नारी स्वावलंबन के साथ समाज को नेतृत्व प्रदान कर रही होगी। युवाओं को रोजगार, अन्नदाता को आत्मनिर्भरता और श्रमिक को सम्मानजनक मानदेय हमारा लक्ष्य है। सीएम योगी ने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री ने विज्ञान भवन में विश्व युवा कौशल दिवस पर स्किल इंडिया महाभियान का शुभारंभ किया था। इसके जरिये दुनिया की सबसे बड़ी यंग वर्कफोर्स यानी भारत के युवाओं की प्रतिभा को प्लेटफॉर्म देकर उनके मन की हताशा-निराशा को दूर करने का प्रयास किया। पीएम मोदी जी ने भारतीय मनीषा के उद्घोष 'अयोग्यो पुरुषो नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः' (कोई व्यक्ति बेकार नहीं होता, कमी केवल सही मार्गदर्शन और योजक की होती है) को आगे बढ़ाने का कार्य किया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश और उत्तर प्रदेश भारत का सबसे युवा प्रदेश है। यहां सर्वाधिक युवा निवास करते हैं। उत्तर प्रदेश ने 2017 के पश्चात प्रधानमंत्री जी के स्किल मिशन को तेजी से बढ़ाया। प्रदेश के अंदर युवाओं की ताकत को प्लेटफॉर्म मिल रहा है, जिसका परिणाम है कि 17 लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षित करके सात लाख से अधिक युवाओं को कैंपस सलेक्शन से ही नौकरी मिलने में सफलता हासिल हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत ग्रामीण युवक-युवतियों को आवासीय सुविधा के साथ प्रशिक्षण देकर 1.23 लाख से अधिक को सीधे रोजगार उपलब्ध कराने में मदद की गई। जब दुनिया वर्ष 2020 में कोरोना से पस्त थी, तब भारत राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर रहा था। इसमें परंपरागत पाठ्यक्रम के साथ-साथ स्किलिंग (कौशल विकास) पर जोर दिया गया। प्रोजेक्ट प्रवीण के माध्यम से 1700 से अधिक माध्यमिक विद्यालयों में 2.50 लाख से अधिक विद्यार्थी यह लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सीएम ने इमर्जिंग टेक्नोलॉजी व इंडस्ट्री 4.0 के लिए प्रदेश में तैयार यंग वर्कफोर्स की भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि सफल उद्योग संचालन के लिए प्रदेश सरकार ने 150 से अधिक आईटीआई में टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, एआई, रोबोटिक, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, थ्रीडी प्रिंटिंग व इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप ट्रेड विकसित करते हुए इन नए पाठ्यक्रमोंको संचालित किया।

जम्मू-कश्मीरमें तस्कर की एक करोड़की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर (आससे)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपी व्यक्ति की करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय संपत्ति शनिवार को कुर्क कर ली गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने अनंतनाग के काजी मोहल्ला निवासी फरदीन अहमद खान के दो मंजिला मकान को कुर्क कर लिया। उन्होंने कहा कि कुर्क की गयी संपत्ति में दो मंजिला आवासीय मकान और दो मरला जमीन शामिल है। यह संपत्ति अनंतनाग शहर के बीचोंबीच स्थित है और इसका अनुमानित बाजार मूल्य करीब एक करोड़ रुपये है। प्रवक्ता के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं।

सिर्फ विदेशी आतंकवादी बचे-अमित शाह

नयी दिल्ली (आससे)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा के एक सदस्य के एनकाउंटर में मार गिराया। इसके जाने के बाद, कश्मीर घाटी में अब कोई भी स्थानीय आतंकवादी सक्रिय नहीं बचा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस क्षेत्र में अभी जो भी उग्रवादी सक्रिय हैं, वे सभी विदेशी आतंकवादी हैं। अरुणाचल प्रदेश के बांदरदेवा में प्रेसिडेंट्स पुलिस कलर्स पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आखिरी ज्ञात आतंकवादी को मार गिराया है। उन्होंने कहा, कश्मीर के पुलवामा में, कश्मीर पुलिस ने एक मुठभेड़ में लश्कर से जुड़े आखिरी सक्रिय कश्मीरी आतंकवादी को मार गिराया। इसके साथ ही, मैं आज गर्व के साथ कह सकता हूं कि कश्मीर घाटी में अब एक भी स्थानीय आतंकवादी नहीं बचा है। जो भी बचे हैं, वे सभी विदेशी आतंकवादी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कहा, मैं



इस देश के लोगों को 1990 के दशक में कश्मीर घाटी के हालात की याद दिलाना चाहता हूं, जब कई लोग यह सवाल उठाते थे कि हम कब तक कश्मीर पर अपना नियंत्रण बनाए रख पाएंगे। आतंकवाद अपने चरम पर था; मुख्यमंत्री खुद इंग्लैंड चले गए थे। फिर भी, हमारे सुरक्षा बलों की वीरता ही थी जिसने कश्मीर को देश के साथ एकजुट बनाए रखा। कश्मीर घाटी की मौजूदा सुरक्षा स्थिति की तुलना 1990 के दशक की उथल-पुथल से करते हुए, शाह ने आगे कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने से कश्मीरी युवाओं के बीच अलगाववादी सोच खत्म हो गई है। प्रेसिडेंट्स पुलिस कलर पुरस्कार समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज का प्रेसिडेंट्स कलर प्रदान करने का समारोह न केवल अरुणाचल पुलिस के लिए, बल्कि पूरे अरुणाचल प्रदेश के लोगों के लिए बहुत गर्व की बात है। किसी भी राज्य के इतिहास में ऐसा महत्वपूर्ण अवसर केवल एक बार ही आता है।

१२१.७८ करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में सीबीआई ने की कारर्वाई

नयी दिल्ली (आससे)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 121.78 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई वीएफएस कैपिटल लिमिटेड के निदेशकों से जुड़े परिसरों में हुई। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की शिकायत पर दर्ज इस मामले में धन के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं और कथित आपराधिक साजिश के आरोपों की जांच की जा रही है। यहां जानिए आखिर क्या है पूरा मामला। सीबीआई ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। इसमें वीएफएस कैपिटल लिमिटेड, कंपनी के निदेशकों और गारंटरों के अलावा अज्ञात लोक सेवकों तथा निजी व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। मामला धोखाधड़ी के लिए आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कथित अपराधों से संबंधित है। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने कथित आपराधिक साजिश के तहत वित्तीय अनियमितताएं कीं। उन पर धन का दुरुपयोग करने, उसे दूसरी जगह भेजने, वित्तीय एवं परिचालन रिकॉर्ड में हेराफेरी करने और धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। एसआईडीबीआई की शिकायत में कहा गया है कि बैंक की ओर से प्रयास और टर्म लोन योजनाओं के तहत दी गई ऋण सुविधाओं में कथित गड़बड़ियां हुईं। इससे बैंक को करीब 121.78 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और आरोपियों को अनुचित आर्थिक लाभ पहुंचा। छापेमारी के दौरान जांच से जुड़े कई महत्वपूर्ण बैंक दस्तावेज और संपत्ति संबंधी कागजात बरामद किए गए। सीबीआई ने इन दस्तावेजों को जब्त कर लिया है। इनकी जांच से मामले में कथित वित्तीय लेनदेन और ऋण से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल में मदद मिल सकती है। सीबीआई मामले की आगे जांच कर रही है। जांच एजेंसी का उद्देश्य कथित साजिश की पूरी जानकारी जुटाना, इसमें शामिल लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाना तथा यह जांचना है कि ऋण के रूप में मिली रकम का इस्तेमाल कहां किया गया। इस फ्रॉड और लोन मामले में आरोपों की जांच जारी है।

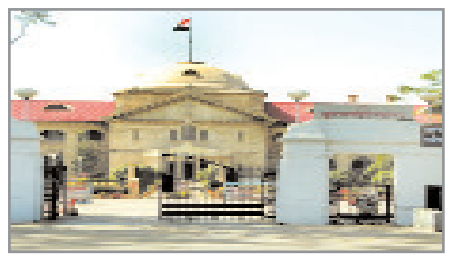
हाईकोर्ट समाचार

हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग की याचिका पर कुलपति-रजिस्ट्रार से दस दिनों में मांगा हलफनामा

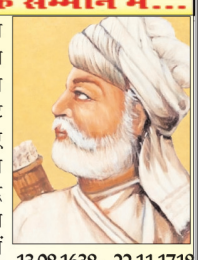
बीएचयू हास्पिटल-ट्रामा सेंटर में चिकित्सा लापरवाही-वित्तीय अनियमितता का आरोप

प्रयागराज (आससे)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में कथित चिकित्सा लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। जस्टिस सीडी सिंह और जस्टिस तरूण सक्सेना की खंडपीठ ने इस याचिका पर सभी पक्षकारों से मांगा है। हाईकोर्ट इस याचिका पर आगामी 11 दिसंबर को सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया कई जांच रिपोर्ट व तथ्यों को देखने के बाद इस मामले में कोर्ट द्वारा विचार की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा कि कई जांच रिपोर्ट व कुलपति/ रजिस्ट्रार की तरफ से कोई एक्शन न लेने को कोर्ट अनदेखी नहीं कर सकती। इस कारण कोर्ट ने कुलपति/ रजिस्ट्रार बीएचयू को निर्देश दिया है कि वह दवाओं की खरीदारी को लेकर हुई सभी जांच रिपोर्ट को संक्षिप्त हलफनामा दाखिल कर कोर्ट में 10 दिनों में प्रस्तुत करे। विश्वविद्यालय को निर्देश दिया गया है कि वह खरीददारी, टेंडर, सप्लाई, स्टाक रजिस्टर, पेमेंट बाउचर और दवाओं से सम्बंधित बिलों को सुरक्षित रखें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि समय पर हलफनामा दाखिल नहीं किया जाता है तो कुलपति/ रजिस्ट्रार केस की अगली सुनवाई की तिथि 11 दिसंबर को हाजिर होंगे। वाराणसी निवासी अमित कुमार मिश्र ने याचिका दाखिल कर उक्त आरोपों की सीबीआई अथवा किसी स्पेशल जांच एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। ऑपरेशन थिएटर में नकली गैस की आपूर्ति से चार मरीजों की मौत और गलत मरीज का ऑपरेशन करने का आरोप है। भ्रष्टाचार और सुरक्षा जोखिम का भी आरोप है। चिकित्सा उपकरणों की खरीद में वित्तीय अनियमितताओं और पुरानी सीटी स्कैन मशीन के उपयोग से कैंसर के खतरे का दावा किया गया है। याचिका में केंद्र सरकार के सचिवों, बीएचयू प्रशासन के अधिकारियों, सीवीओ और सीबीआई निदेशक सहित आठ लोगों को पक्षकार बनाकर स्वतंत्र एजेंसी से जांच की मांग की गई है।

रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का निर्देश




राष्ट्र नतमस्तक है आपके सम्मान में...



राजस्थान के वीर सपूत ध्वीर दुर्गादास राठौड़ जी मारवाड़ (जोधपुर) के इतिहास के एक अत्यंत साहसी, निष्ठावान और महान योद्धा थे। उन्होंने अपनी अटूट निष्ठा और वीरता के बल पर मुगल सम्राट औरंगजेब की तमाम चालों को नाकाम करते हुए मारवाड़ के राजपरिवार और स्वतंत्रता की रक्षा की थी। उन्होंने महाराजा जसवंत सिंह की मृत्यु के बाद उनके परिवार और जोधपुर के सिंहासन की रक्षा का जो संकल्प लिया, उसे अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक निभाया। औरंगजेब के खिलाफ मारवाड़ के स्वतंत्रता संग्राम (30 वर्षीय युद्ध) में उन्होंने राठौड़ सेना का नेतृत्व किया और अपनी कूटनीति तथा गुरिल्ला युद्ध (छापेमार युद्ध शैली) से मुगलों को कड़ी चुनौती दी। उनका पूरा जीवन धर्म, संस्कृति और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहा, जिसके कारण उन्हें मारवाड़ के इतिहास में सर्वोच्च सम्मान प्राप्त है। अद्भुत प्रतिभा के धनी महान देशभक्त **वीर 'दुर्गादास राठौड़ जी'** को आज उनकी पुण्यतिथि पर **'मातृभूमि सेवा संस्था'** तथा हिन्दी दैनिक समाचार पत्र **'आज'** इन्हें कोटिशः नमन करती है। '-**'राकेश कुमार'**

13.08.1638 -22.11.1718

मातृभूमि सेवा संस्था
जीवन को सार्थक बनाने के प्रयास में...
(भारतीय न्यास अधिनियम 1882 के अन्तर्गत निगमित, एक गैर-लाभकारी संगठन)
www.mss-ind.org

9891960477-क्रांतिकारियों के जीवन पर निर्मित कैलेंडर प्राप्त करने हेतु संपर्क सूत्र।

मध्य प्रदेश समाचार

पीएम स्वनिधि में मध्यप्रदेश देश में अव्वल

भोपाल (आससे)। रेहड़ी-पटरी लगाकर परिवार चलाने वाले छोटे कारोबारियों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के मामले में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के क्रियान्वयन और सर्वाधिक ऋण वितरण, दोनों श्रेणियों में प्रदेश को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। खास बात यह है कि प्रदेश के तीन नगरीय निकायों इंदौर, सारणी और बालाघाट ने भी अलग-अलग श्रेणियों में राष्ट्रीय स्तर पर स्थान हासिल किया है। नई दिल्ली में आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राज्यमंत्री तोखन साहू ने ये पुरस्कार प्रदान किए। मध्यप्रदेश को मिले इन सम्मानों के पीछे योजना के तहत हुआ ऋण वितरण और बड़ी संख्या में छोटे कारोबारियों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का काम प्रमुख रहा है। प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना के तहत अब तक 10 लाख 87 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स लाभान्वित हो चुके हैं। इनके लिए 17.22 लाख से अधिक ऋण प्रकरणों के माध्यम से करीब 2827.84 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। योजना के तहत बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे कार्यशील पूंजी का ऋण मिलने से छोटे कारोबारियों को अपना काम चलाने और जरूरत के मुताबिक उसका विस्तार करने में मदद मिली है। इस योजना का लाभ फल-सब्जी बेचने वालों, ठेला संचालकों, खाद्य सामग्री विक्रेताओं और दूसरे छोटे कारोबारियों को मिला है। पहले जिन कारोबारियों के लिए बैंक से ऋण लेना मुश्किल था, वे अब संस्थागत वित्तीय व्यवस्था का हिस्सा बन रहे हैं। राज्य के साथ नगरीय निकायों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है। मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में इंदौर नगर निगम को देश में पहला स्थान मिला है। वहीं टाउन सिटी श्रेणी में सारणी नगर पालिका परिषद दूसरे और बालाघाट नगर पालिका परिषद तीसरे स्थान पर रही। इन निकायों में पथ विक्रेताओं की पहचान, ऋण आवेदन, बैंकों से समन्वय और पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के प्रयासों को पुरस्कार का आधार बनाया गया। जनजातीय बहुल बालाघाट का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना भी महत्वपूर्ण है। इससे योजना की पहुंच बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों और दूरस्थ क्षेत्रों तक होने का संकेत मिलता है। योजना के तहत केवल ऋण वितरण ही नहीं, बल्कि डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने पर भी काम हुआ है।



वृद्धजनों का सम्मान और समुचित देखभाल, प्रत्येक संतान का नैतिक दायित्व-राज्यपाल पटेल

भोपाल (आससे)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल शनिवार को विदिशा में ब्रह्माकुमारीज समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन विदिशा के रविंद्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में 'संगम गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' विषय पर किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा ब्रह्माकुमारीज समाज सेवा प्रभाग के मध्य हुए एम.ओ.यू के अंतर्गत आयोजित किया गया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने वृद्धजनों के सम्मान, उनकी देखभाल, पारिवारिक जिम्मेदारियों तथा समाज में बुजुर्गों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता का स्थान सर्वोच्च माना गया है। माता-पिता अपने बच्चों के पालन-पोषण और बेहतर भविष्य के लिए जीवनभर अनेक त्याग और संघर्ष करते हैं। वे बचपन से ही बच्चों की आवश्यकताओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और खुशियों का विशेष ध्यान रखते हैं, लेकिन बच्चे बड़े होने के बाद अपने माता-पिता का समुचित ध्यान नहीं रख पाते। यह गंभीर चिंतन का विषय है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान और समुचित देखभाल, प्रत्येक संतान का नैतिक दायित्व है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि वृद्धावस्था में अनेक कारणों से शारीरिक कमजोरियां आ जाती हैं। इस अवस्था में बुजुर्ग माता-पिता कई कार्यों के लिए अपने बच्चों पर आश्रित हो जाते हैं। ऐसे समय में संतान का दायित्व है कि वे माता-पिता की विशेष देखभाल करें।

मुख्यमंत्रीने जेलों में सुविधाओं के लिए 50 करोड़ से अधिक के कार्यों का प्रशासकीय अनुमोदन

भोपाल (आससे)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा जेलों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, बंदियों के पुनर्वास, बेहतर आवासीय व्यवस्था एवं जेल अधोसंरचना के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जेलों में पेयजल व्यवस्था, बैरक निर्माण, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, खुली जेल कॉलोनी एवं नवीन अधोसंरचना विकास से संबंधित 50 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न कार्यों को मुख?यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशासकीय अनुमोदन प्रदान किया है। यह अनुमोदन प्रमुख सचिव, जेल मुकेश चंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित स्थायी वित्त समिति की बैठक में विभिन्न जेलों से संबंधित विकास कार्यों के प्रस्तावों की अनुशंसा पर किया गया है।

वैष्णो देवी में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ८७ लाख पहुंची

जम्मू (आससे)। श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में इस साल अब तक करीब 87 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं और लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए श्राइन बोर्ड को उम्मीद है कि साल के अंत तक यह आंकड़ा एक करोड़ के पार पहुंच सकता है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सचिन कुमार ने बताया कि मंदिर में सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में किये गये सुधारों के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में उत्साहजनक वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि बोर्ड त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने पर लगातार ध्यान दे रहा है। कुमार ने देशभर और विदेश से श्रद्धालुओं के आगमन के आधार शिविर कटरा में पत्रकारों को बताया कि हमने सुविधाओं में काफी सुधार किया है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को हमारी ओर से उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं पर पूरा भरोसा है। बोर्ड उनकी सुविधा के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस साल पिछले वर्ष की तुलना में श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और अब तक करीब 87 लाख श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दर्शन कर चुके हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या इस साल श्रद्धालुओं की संख्या एक करोड़ के आंकड़े को पार कर सकती है, कुमार ने उम्मीद जताई कि ऐसा संभव है। उन्होंने बताया कि यात्रा अब तक जारी है और अगले एक महीने में इस संबंध में अधिक स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

वनस्थली विद्यापीठ की महिलायें सामाजिक परिवर्तन की कर्णधार-ओम बिरला

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ में ब्रिक्स महिला नेतृत्व षिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। 21 नवम्बर को आयोजित ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन उद्घाटन में



मुख्य अतिथि लोकसभा के माननीय अध्यक्ष श्रीमान ओम बिरला थे। उद्घाटन सत्र में ब्रिक्स देशों के साथ-साथ अन्य देषों से पधारे महिला प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं का आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण और नवाचार की क्षमता राष्ट्रों तथा मानवता के समक्ष उपस्थित जटिल समस्याओं के समाधान के नए मार्ग प्रशस्त कर सकती है। वनस्थली विद्यापीठ ने सदा ही महिलाओं को नई दिशा दी है। यहाँ पर सम्मलेन का आयोजन होना इसका अपना महत्व है, 1935 की महिला शिक्षा और नेतृत्व विकास की यह यात्रा पंडित हीरालाल शास्त्री से शुरुआत होकर आज के इस भव्य आयोजन तक पहुँच गया है। यहाँ की छात्राएँ अवनी, आस्था पूनिया विविध क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर रहीं हैं। भारत का गर्व और सम्मान बढ़ाया है । ब्रिक्स का यह सम्मेलन महिलाओं को नई दिशा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। लोक सभा अध्यक्ष ने वनस्थली विद्यापीठ की गौरवशाली विरासत की सराहना करते हुए स्मरण किया कि केवल पाँच छात्राओं के साथ शुरू हुआ यह संस्थान आज लगभग 18,000 छात्राओं के साथ महिला शिक्षा के एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। उन्होंने इसके संस्थापकों पंडित हीरालाल शास्त्री और श्रीमती रतन शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी दूरदृष्टि महात्मा गांधी के आदर्शों, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र निर्माण की भावना से प्रेरित थी। उन्होंने उल्लेख किया कि इस संस्थान की छात्राएं प्रौद्योगिकी, विमानन (एविएशन) और घुड़सवारी सहित विविध क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं तथा उन्होंने सशस्त्र बलों, विज्ञान और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाई हैं। रूस से पधारे आयोजक सर्गेई बोचारोव ने रुसी भाषा में कहा कि ब्रिक्स देश भारत से बहुत कुछ सीख सकता है, विशेष कर वनस्थली विद्यापीठ के महिला नेतृत्व से। सम्मेलन का आयोजन वनस्थली में करने के लिए प्रो. अंशुमान शास्त्री को धन्यवाद देते हुए इस पार्टनरशिप को दीर्घस्थायी बनाने की बात कही। अंशुमान शास्त्रीजी को बधाई देते हुए कहा कि आज जो दीप प्रज्ज्वलन हुआ है यही परंपरा ब्रिक्स देषों के महिला सम्मेलनों में जारी रहेगी। रूस के राजदूत डेनिष अलीपोव के भाषण का वाचन किया गया एवं मारिया जखरोवा ने वीडियो संदेश के माध्यम से प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। वनस्थली विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री ने ब्रिक्स देशों की जनसंख्या और जीडीपी का उल्लेख करते हुए महिलाओं के विकास के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए आह्वान किया, इसके लिए पारस्परिक सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। वनस्थली विद्यापीठ की उपाध्यक्ष प्रो. ज्योति पारीक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस उद्घाटन सत्र में वनस्थली विद्यापीठ के अध्यक्ष, प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री; कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री, उपाध्यक्ष, प्रो.ज्योति पारीक; कोषाध्यक्ष, प्रो. सुधा शास्त्री; निदेशक, सेण्टर फॉर आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस एवं हेड, इंटरनेशनल रिलेशनस,